

अलवदिा जानकी अम्मा दगिगज गायकिा एस जानकी का 88 की उमर में नधिा

वषिय सूची (Table of Contents):

- >> दगिगज गायकिा एस. जानकी का नधिा 88 साल की उमर में दुनिया को कहा अलवदिा, संगीत ...
- >> संगीत प्रेमियों के लिए एक युग का अंत...
- >> दक्षिण भारत की नाइटगिल के नाम से थी मशहूर फैंस की प्यारी जानकी अम्मा का ...
- >> बहुमुखी प्रतिभा की धनी थी जानकी अम्मा...
- >> 20 भाषाओं में गाए 48 हजार से ज्यादा गाने एस. जानकी के करियर के वो बड़े रिकॉर्ड ...
- >> उनकी गायकी की मुख्य विशेषताएं...
- >> महज 9 साल की उमर में दी थी पहली स्टेज परफॉर्मेंस आंध्र प्रदेश में हुआ था सुरों...
- >> शास्त्रीय संगीत की ली कठनि शिक्षा...
- >> चेन्नई आकर संगीतकार आर. सुदर्शनम संग कयिा काम 1957 में इस तमलि फिल्म से शुरू हु...
- >> पहले ब्रेक के बाद नहीं मुड़कर देखा पीछे...
- >> 60 वर्षों का बेमसाल संगीत करियर अपनी जादुई आवाज से दशकों तक करोड़ों दिलों पर क...
- >> निष्कर्ष (Conclusion)...
- >> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

दगिगज गायकिा एस. जानकी का नधिा: 88 साल की उमर में दुनिया क

भारतीय संगीत जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। अपनी जादुई और सुरीली आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली दगिगज पार्श्व गायकिाएस. जानकी (S. Janaki)का 88 वर्ष की आयु में नधिा हो गया है। उनके नधिा की खबर सोशल मीडिया पर फैलते ही पूरे देश और विशेषकर दक्षिण भारतीय सनिमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रशंसकों से लेकर मनोरंजन जगत की तमाम बड़ी हस्तियां इस अपूरणीय क्षतिपर गहरा दुख व्यक्त कर रही हैं।

एस. जानकी केवल एक गायकिा नहीं थी, बल्कि वे भारतीय संगीत का एक ऐसा स्वरुणमि अध्याय थी, जिसकी कमी को कभी पूरा नहीं कयिा जा सकेगा। उनकी सुरीली आवाज और गायकी की अनूठी शैली ने उन्हें संगीत के इतिहास में हमेशा के लिए अमर कर दिया है। इस दुखद घड़ी में फैंस उनके पुराने गानों की लिस्टयाद कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। अगर आप आज के दिन की अन्य महत्वपूर्ण अपडेट या अपना भविष्य जानना चाहते हैं, तो आज का राशिफल: अचानक धन लाभ या भारी नुकसान? जानिए अपनी राशि का हाल! जरूर पढ़ें।

संगीत प्रेमियों के लिए एक युग का अंत

जानकी अम्मा के नधिन से संगीत के एक महान युग का अंत हो गया है। उन्होंने अपनी आवाज से भारतीय सनिमा को कई सदाबहार और भावुक कर देने वाले गीत दिए। सोशल मीडिया पर उनके फैंस लगातार उनकी दविंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और इसे संगीत उद्योग का सबसे बड़ा latest update नुकसान मान रहे हैं।

दक्षिण भारत की नाइटगिल के नाम से थी मशहूर: फैंस की प्यार

एस. जानकी को उनकी सुरीली और पतली आवाज के कारण पूरे देश में दक्षिण भारत की नाइटगिल (Nightingale of South India) के नाम से जाना जाता था। उन्होंने संगीत की दुनिया में जो मुकाम हासिल किया, वह किसी भी नए कलाकार के लिए एक महान प्रेरणास्रोत है। उनके प्रशंसक उन्हें बेहद आदर और प्यार से जानकी अम्मा कहकर पुकारते थे।

जानकी अम्मा का स्वभाव बेहद सरल और सौम्य था। वे जतिनी बेहतरीन गायिका थी, उतनी ही सहज इंसान भी थी। उन्होंने अपने पूरे जीवन को संगीत साधना में समर्पित कर दिया था। उनका सफर यह सिखाता है कि कड़ी मेहनत और कला के प्रति समर्पण से किसी भी ऊंचाई को छुआ जा सकता है।

बहुमुखी प्रतिभा की धनी थी जानकी अम्मा

- >> विभिन्न भाषाओं पर पकड़: उन्होंने दक्षिण भारतीय भाषाओं के साथ-साथ उत्तर भारतीय भाषाओं में भी अद्भुत गायन किया।
- >> भावुक प्रस्तुत: उनके गानों में भावनाओं का ऐसा अनूठा मशिरण होता था कि सुनने वाला मंत्रमुग्ध हो जाता था।
- >> सरल जीवन: इतनी बड़ी स्टार होने के बावजूद जानकी अम्मा हमेशा सादगी भरा जीवन जीना पसंद करती थी।

20 भाषाओं में गाए 48 हजार से ज्यादा गाने: एस. जानकी के करियर

एस. जानकी के नाम संगीत जगत में कई ऐसे बेमिसाल रिकॉर्ड दर्ज हैं, जिन्हें तोड़ पाना किसी भी आधुनिक गायक के लिए नामुमकिन सा लगता है। उन्होंने अपने लंबे और शानदार करियर में लगभग 48 हजार से अधिक गाने रिकॉर्ड किए थे। यह संख्या अपने आप में एक बहुत बड़ा कीर्तमान है, जो उनकी अटूट कार्यक्षमता को दर्शाती है।

उन्होंने केवल किसी एक भाषा तक खुद को सीमित नहीं रखा। जानकी अम्मा ने तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी जैसी प्रमुख भाषाओं के अलावा लगभग 20 विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी आवाज का जादू बखिरा था। उनकी इस असाधारण प्रतिभा के कारण ही उन्हें देश-विदेश में सर्वोच्च सम्मान मिले।

उनकी गायकी की मुख्य विशेषताएं

जानकी अम्मा की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे किसी भी भाषा के गाने को पूरी शुद्धता और सही उच्चारण के साथ गाती थी। चाहे वह कोई शास्त्रीय गीत हो या फिर कोई हल्का-फुल्का फ़िल्मी गाना, वे हर शैली में पूरी तरह फिट बैठती थी। आज उनके गानों का PDF संग्रह और ऑनलाइन ट्रैक्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा सर्च किए जा रहे हैं। यदि आप संगीत से अलग हटकर खुद का कोई नया रोजगार शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो भारत सरकार की इस विशेष लोन योजना के बारे में PMMY: अब 20 लाख बर्ना गारंटी मिलेंगे, शुरू करें अपना बिजनेस, समझें प्रोसेस! पर क्लिक कर पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महज 9 साल की उम्र में दी थी पहली स्टेज परफॉर्मेंस: आंध्र पर

सुरों की इस मल्लिका का जन्म 23 अप्रैल 1938 को आंध्र प्रदेश के मद्रास प्रेसीडेंसी (ब्रिटिश भारत के समय) के अंतर्गत आने वाले गुंटूर जिले के रेपल्ले तालुक के पल्लापाटला गांव में हुआ था। उनके पिता पेशे से एक सम्मानित आयुर्वेदिक डॉक्टर थे, जिन्होंने हमेशा अपनी बेटी की प्रतिभा को पहचाना और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

जानकी अम्मा के भीतर संगीत का हुनर बचपन से ही दिखाई देने लगा था। उन्होंने महज 9 साल की छोटी सी उम्र में पहली बार किसी स्टेज पर परफॉर्म किया था। उनकी इस शुरुआती परफॉर्मेंस ने ही यह साबित कर दिया था कि वे भविष्य में संगीत की दुनिया पर राज करने के लिए पैदा हुई हैं।

शास्त्रीय संगीत की ली कठनि शिक्षा

स्टेज परफॉर्मेंस के बाद उन्होंने संगीत की बारीकियों को समझने के लिए औपचारिक रूप से शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया। उन्होंने सुरों के उतार-चढ़ाव और गायकी के कठनि नयिर्मों का गहन अभ्यास किया, जिसने आगे चलकर उनके पार्श्व गायन करियर की एक मजबूत नींव रखी।

चेन्नई आकर संगीतकार आर. सुदर्शनम संग किया काम: 1957 में इस त

जब एस. जानकी 20 वर्ष की हुई, तो उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ आया। उनके एक करीबी रिश्तेदार की सलाह पर वे अपने सपनों को उड़ान देने के लिए चेन्नई (उस समय के मद्रास) चली आईं। चेन्नई आने के बाद उन्हें जाने-माने म्यूजिक कंपोजर आर. सुदर्शनम के साथ काम करने का एक बेहतरीन अवसर प्राप्त हुआ।

म्यूजिक कंपोजर आर. सुदर्शनम ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में पहला ब्रेक दिया। उन्होंने वर्ष 1957 में तमिल फिल्म विधिइन विलायाट्टु (Vidhiyin Vilayattu) से एक प्लेबैक सिंगर (पार्श्व गायिका) के तौर पर अपने पेशेवर

करियर की शुरुआत की। इस पहले गाने के रिलीज होते ही उनकी आवाज की हर तरफ तारीफ होने लगी।

पहले ब्रेक के बाद नहीं मुड़कर देखा पीछे

तमिल सिनिमा में कदम रखने के तुरंत बाद उन्हें तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों से भी ऑफर मिलने शुरू हो गए। उन्होंने अपनी पहली फिल्म की सफलता के बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार एक से बढ़कर एक सुपरहिट गाने दिए। सरकारी परीक्षाओं और देश के युवाओं से जुड़ी एक और बड़ी करियर खबर के लिए आपभारत बंधकाशी और एरनि संदेश पार्श्व्य - जानें क्यों मानुषी कुमार करेगा आईपीएस बगिटर भर्तियाँ भी देख सकते हैं।

60 वर्षों का बेमसाल संगीत करियर: अपनी जादुई आवाज से दशकों त

एस. जानकी का संगीत करियर कोई छोटा-मोटा सफर नहीं था, बल्कि उन्होंने लगभग 60 वर्षों तक फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय रूप से काम किया। छह दशकों के इस बेमसाल करियर में उन्होंने कई पीढ़ियों के संगीतकारों और नर्तकियों के साथ काम किया। उनकी आवाज समय के साथ और अधिक परपिक्व तथा सुरीली होती चली गई।

1950 के दशक से शुरू हुआ उनका यह सफर 2010 के दशक तक अबाधति रूप से चलता रहा। उन्होंने हर दौर के दर्शकों के दिलों को छुआ। आज भले ही वे हमारे बीच शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं, लेकिन उनकी जादुई आवाज हमेशा रेडियो, टेलीविजन और इंटरनेट के माध्यम से दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के कानों में गूंजती रहेगी।

नष्कर्ष (Conclusion)

दग्गिज पार्श्व गायिका एस. जानकी का नदिन भारतीय संगीत जगत के लिए वर्ष 2026 की सबसे बड़ी और दुखद क्षतियों में से एक है। 88 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कहने वाली जानकी अम्मा अपने पीछे 48 हजार से अधिक गानों की एक अनमोल वरिसत छोड़ गई हैं। आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर 20 भाषाओं में अपनी आवाज का जादू बखिरने का उनका यह सफर हमेशा याद रखा जाएगा। संगीत जगत में उनके इस अद्वितीय योगदान के लिए देश उन्हें हमेशा आदर के साथ नमन करता रहेगा।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

दग्गिज पार्श्व गायिका एस. जानकी का नदिन 88 वर्ष की आयु में हुआ है, जिससे पूरे देश में शोक की लहर है।

एस. जानकी को पूरे भारत में बेहद सम्मान के साथ दक्षिण भारत की नाइटिंगेल (Nightingale of South India) और फैंस द्वारा प्यार से जानकी अम्मा कहा जाता था।

अपने लगभग 60 वर्षों के बेमसाल संगीत सफर के दौरान एस. जानकी ने विभिन्न भाषाओं में 48 हजार से भी अधिक गाने रिकॉर्ड किए थे।

उन्होंने मुख्य रूप से तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी के अलावा देश की लगभग 20 अलग-अलग क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी आवाज दी थी।

उनका जन्म 23 अप्रैल 1938 को आंध्र प्रदेश के मद्रास प्रेसीडेंसी के गुंटूर जिले में स्थिति रेपल्ले तालुक के पल्लापाटला गांव में हुआ था।

एस. जानकी ने महज 9 वर्ष की छोटी सी उम्र में ही पहली बार सार्वजनिक रूप से स्टेज पर अपनी पहली परफॉर्मेंस दी थी।

उन्होंने वर्ष 1957 में तमिल फिल्म विधिइन विलायाट्टु (Vidhiyin Vilayattu) से एक पेशेवर प्लेबैक सगिर के रूप में अपने शानदार करियर की शुरुआत की थी।

चेन्नई (मद्रास) आने के बाद एस. जानकी ने जाने-माने संगीतकार आर. सुदर्शनम के साथ एक गायिका के तौर पर अपने शुरुआती काम की शुरुआत की थी।

उनका कुल संगीत करियर लगभग 60 वर्षों (छह दशकों) का रहा, जिसमें उन्होंने भारतीय सिनेमा और संगीत जगत को अनगिनत सदाबहार गाने दिए।